हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 168 | देहरादून, सोमवार, 25 दिसंबर, 2023 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

टिहरी गढ़वाल के बाद रुद्रप्रयाग, डोबरा चांठी पुल की तरह जगमगाएगा बेलणी पुल 4

मुख्यमंत्री धामी ने 1376 नर्सिंग अधिकारियों को सौंपे नियुक्ति पत्र

चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड से पहली बार प्रदेश को मिले 1376 नर्सिंग अधिकारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 25 दिसंबर : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास स्थित, मुख्य सेवक सदन में उत्तराखंड चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड द्वारा चयनित नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये। कार्यक्रम के दौरान चयनित 1376 अभ्यर्थियों में से 200 अभ्यर्थियों को मुख्यमंत्री द्वारा नियुक्ति पत्र प्रदान किये। शेष सभी अभ्यर्थियों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा नियुक्ति पत्र प्रदान किये गये हैं।

मुख्यमंत्री ने नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले नर्सिंग अधिकारियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि चयनित सभी नर्सिंग अधिकारी लगन व कड़ी मेहनत के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे और राज्य के विकास व जनसेवा के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। उन्होंने कहा कि नर्सिंग अधिकारी का दायित्व बहुत महत्वपूर्ण है। ग्राउंड लेवल पर समाज में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के मुद्दों पर जनता को शिक्षित करने का दायित्व भी नर्सिंग अधिकारियों पर है। आपातकालीन स्थितियों में आपकी तत्परता और उत्कृष्टता लोगों के लिए जीवन रक्षा का कार्य करती है। उन्होंने कहा कि हमारी डबल इंजन की सरकार ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में अनेक कार्य किए हैं।

स्वास्थ्य जागरूकता के साथ जन सेवा का दायित्व है नर्सिंग अधिकारियों पर

नर्सिंग अधिकारी राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों की स्वास्थ्य सेवाओं को देंगे मजबूती

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में 'आयुष्मान भारत योजना' प्रदेशवासियों के लिए वरदान साबित हुई है। राज्य में सभी को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिले,इसके लिए राज्य सरकार द्वारा उत्तराखंड अटल आयुष्मान योजना से लोगों को लाभान्वित किया जा रहा है। ई-संजीवनी टेलीमेडिसिन सेवाएं सुदूर क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुई हैं। सरकार जच्चा-बच्चा की सुरक्षा के लिए कई योजनाएं चला रही है। गर्भवती महिलाओं के लिए ''जननी सुरक्षा योजना'' संचालित की जा रही है, जिसके अंतर्गत संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देते हुए मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा भारत को क्षय मुक्त बनाने के लिए 2025 का लक्ष्य के सापेक्ष राज्य सरकार द्वारा 2024 तक उत्तराखण्ड को क्षय मुक्त राज्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें भी नर्सिंग अधिकारियों को अहम भूमिका होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने दो-दो वैक्सीनों द्वारा देश की जनता की ही नहीं बल्कि अन्य देशों की भी मदद की। हमें अभी भी कोरोना के प्रति सावधानी रखनी है और लोगों को इसके प्रति जागरूक बनाए रखने हेतु कार्य करना है।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग को 13 वर्ष के उपरांत 1376 नर्सिंग अधिकारी मिले हैं। उन्होंने कहा कि सभी चयनित नर्सिंग अधिकारियों के पहले पांच साल राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में सेवाएं देनी होगी, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिलेगी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतरी के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्तराखंड को जेआरडी टाटा मेमोरियल अवार्ड से नवाजा गया है। यह अवार्ड 42 स्वास्थ्य सूचकांकों में बेहतर प्रदर्शन पर राज्य को मिला। उन्होंने कहा कि टाटा रिसर्च सेंटर के सर्वे के अनुसार उत्तराखंड में क्रिटिकल मरीजों के लिए हवाई सेवा उपलब्ध कराने, अटल आयुष्मान उत्तराखंड योजना, 276 प्रकार की निःशुल्क जांच और 90 प्रतिशत से अधिक संस्थागत प्रसव कराने का सराहनीय प्रयास किया गया है।

इस अवसर पर राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, विधायक विनोद चमोली, उमेश शर्मा काऊ, खजानदास, सविता कपूर, राजकुमार पोरी, ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के उपाध्यक्ष सुरेश भट्ट, सचिव स्वास्थ्य डॉ. आर. राजेश कुमार, कुलपति उत्तराखंड चिकित्सा विश्वविद्यालय प्रो. हेमचन्द्र, महानिदेशक स्वास्थ्य, डॉ. विनीता शाह एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित थे

उत्तराखंड : बदला मौसम का मिजाज इन जिलों में बारिश के आसार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 25 दिसंबर : उत्तराखंड में इन दिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है। मौसम फिर बदलाव की ओर है। ज्यादातर जगहों पर बादल छाए हुए हैं। मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून ने राज्य के अधिकांश हिस्सों में बारिश की संभावना जताई है। ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी हो सकती है। 25 दिसंबर को राज्य के देहरादून, नैनीताल, अल्मोड़ा, हरिद्वार, बागेश्वर, पिथौरागढ़, पौड़ी, टिहरी, रुद्रप्रयाग, चमोली और उत्तरकाशी जिले में आंशिक तौर पर बादल छाए रहेंगे। कुछ स्थानों में हल्की बारिश की संभावना है।

वहीं पहाड़ के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी देखने को मिल सकती है। मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून के निदेशक डॉ. विक्रम सिंह के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के असर से कुमाऊं और गढ़वाल मंडल के अधिकांश जनपदों में मौसम बदला रहेगा। नैनीताल, अल्मोड़ा, हरिद्वार, चंपावत, बागेश्वर, पिथौरागढ़, पौड़ी, देहरादून, टिहरी, रुद्रप्रयाग, चमोली और उत्तरकाशी जिले में बारिश की संभावना है। पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी हो सकती है।

उत्तराखंड का शीतकालीन पर्यटन काफी हद तक यहां के मौसम पर निर्भर करता है। ऐसे में अगर जल्द ही बर्फबारी हुई तो उत्तराखंड आने वाले पर्यटकों की मनमांगी मुराद पूरी हो सकती है। नैनीताल-मसूरी समेत तमाम हिल स्टेशनों में नए साल का स्वागत बर्फबारी के साथ हो सकता है। मौसम विभाग ने भी दिसंबर के आखिरी हफ्ते में प्रदेश में अच्छी बर्फबारी होने की संभावना जताई है।

पेट में गर्मी बढ़ने पर दिखते हैं ये लक्षण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 25 दिसंबर : पेट में गर्मी के पीछे कई कारण हो सकते हैं। यह आमतौर पर किसी स्वास्थ्य समस्या या जीवन शैली की खराब आदतों के कारण देखने को मिलती है। जब पेट में गर्मी बढ़ जाती है, तो इसकी वजह से व्यक्ति को काफी असजता का सामना करना पड़ता है। इसमें पेट में जलन और दर्द जैसी समस्याएं देखने मिलती हैं। हालांकि, इस तरह के लक्षण पेट से जुड़ी आम स्थितियों में भी दिखते हैं। इसलिए अक्सर लोगों को यह समझने में काफी समय लग जाता है, कि लक्षण किसी आम स्थिति के कारण हैं या पेट में गर्मी के बढ़ने के कारण।

हालांकि, पेट में गर्मी बढ़ने पर जलन और दर्द के अलावा भी कई संकेत और लक्षण भी देखने मिलते हैं, जिनकी मदद से आप अपने पेट में गर्मी की स्थिति का पता लगा सकते हैं। इन लक्षणों और पेट में गर्मी के इलाज के बारे में जानने के लिए हमने नारायण मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल के गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग के डॉ अभिषेक जैन से बात की। इस लेख हम हम आपको इसके बारे में विस्तार से बता रहे हैं।

पेट में गैस
जलन
ब्लोटिंग
मतली
भूख कम लगना
पेट में दर्द और ऐंठन
कुछ मामलों में दस्त की समस्या

अगर कोई व्यक्ति सामान्य से अधिक पेट से जुड़ी इन समस्याओं का सामना करता है, तो उन्हें तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। क्योंकि अगर समय रहते अगर इसका उपचार नहीं किया जाता है, तो यह कई गंभीर समस्याओं जैसे आंत में छाले, सूजन आदि का भी कारण बन सकता है।

90 मिनट में खत्म करना होगा पूरा खाना, नहीं तो रेस्टोरेंट से निकाल देंगे बाह

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 25 दिसंबर : अगर रेस्टोरेंट में बैठकर आपको भी समय बिताना पसंद है तो यह खबर आके लिए है. ऐसा इसलिए क्योंकि अमेरिका के रेस्टोरेंट में बैठकर खाने का समय तय कर दिया है. यहां ग्राहकों को 90 मिनट दे रहे हैं और उसके बाद उन्हें दोबारा ऑर्डर करने की अनुमति ही नहीं है. हालांकि रेस्टोरेंट के इस नियम का जमकर विरोध भी हो रहा है.

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका के न्यूयॉर्क में मौजूद रेस्टोरेंट्स अपने विचित्र नियम के लिए चर्चा का विषय बना हुआ है. यहां चाइना टाउन इलाके में Ye's Apothecary नाम का एक रेस्टोरेंट है, जिसे रेस्टोरेंट्स में घंटों बैठकर बातें करने या खाने की फोटो लेना पसंद नहीं है. इसी वजह से इस रेस्टोरेंट ने नए नियम लागू किए हैं.

इस विचित्र नियम को लेकर 33 साल की क्रिस्टीना इजो ने न्यूयॉर्क पोस्ट को बताया कि 90 मिनट का रूल बेहद ही अजीब है. अपने अनुभव को लेकर उन्होंने बताया कि 90 मिनट बाद जब उन्होंने कुछ और ऑर्डर करने के लिए मेन्यू कार्ड मांगा तो उन्हें मना कर दिया गया. यह कहते हुए कि आपने अपनी तय समय सीमा पूरा कर ली है. अब आप ऑर्डर नहीं कर सकते. अब उन्हें दूसरे ग्राहकों के लिए टेबल छोड़ना पड़ेगा. क्रिस्टीना इजो ने बताया कि हमें उस वक्त बेहद शर्मिंदगी महसूस हुई. हमें ऐसा महसूस हुआ कि भगाया जा रहा है. उन्होंने आगे कहा कि इस तरह के नियम सिर्फ एक रेस्टोरेंट में ही लागू नहीं किए गए हैं. टाइम लिमिट वाली समस्या का सामना उन्होंने और जगहों पर भी किया .कुछ इसी तरह का अनुभव 35 वर्षीय विज्ञापन कर्मचारी रिवेरा हक का रहा जब वह अपने आठ दोस्तों के साथ पार्टी करने एक प्रतिष्ठित रेस्टोरेंट में गई थीं उन्हें उनके साथियों के साथ टेबल खाली करने को कह दिया गया. रिपोर्ट के अनुसार, कोरोना काल के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग को मेंटेन करने के लिए ग्राहकों को जगह छोड़-छोड़कर बैठने के लिए नियम बनाया गया था. इसी दौरान रेस्टोरेंट में अधिक समय तक नहीं बैठने के नियम बनाए गए थे. छोटे रेस्टोरेंट्स को टाइम लिमिट वाला आइडिया रास आ गया.

इसे अभी भी लागू किया जा रहा है. इन नियम की वजह से ग्राहक ज्यादा देर रेस्टोरेंट में ना रुकें. कोविड में हुए नुकसान से निपटने के लिए रेस्टोरेंट्स फिर से वही फार्मूला अपना रहे हैं जिससे वो ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों को बैठाकर ज्यादा प्रॉफिट कमा सकें.

OMG इस गांव में हर घर में है हवाई जहाज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 25 दिसंबर : आजकल हर किसी के घर में एक न एक वाहन तो जरुर मिलता है। चाहे फिर वो मोटरसाइकिल हो या कार। ज्यादातर लोग इन्हीं वाहनों से बाहर आते जाते हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसी जगह के बारे में बताने जा रहे हैं जहां लोग अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में हवाई जहाज का इस्तेमाल करते हैं।

जी हां, वैसे तो आप किसी दूसरे जाने के लिए ही फ्लाइट यानी हवाई जहाज का इस्तेमाल करते हैं। जिसके लिए आपको खूब सारे पैसे भी देने पड़ते हैं। लेकिन एक ऐसी जगह भी है जहां, लोग हवाई जहाज का प्रयोग बाइक या कार की ही तरह कहीं आने जाने के लिए करते हैं। आपको सुनने में अजीब तो लग रहा होगा लेकिन ये सच है। ये जगह अमेरिका के कैलिफोर्निया में स्थित है जिसे कैमरन एयर पार्क के नाम से जाना जाता है। यहां हर किसी के घर के सामने एक एयरक्राफ्ट खड़ा रहता है। इन्हें कहीं भी जाना हो, ये सीधा प्लेन निकाल कर चल पड़ते हैं। यहां की सड़कों को भी रनवे जैसा ही चौड़ा बनाया गया है। जिसके कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल भी हुए हैं। दिलचस्प बात ये हैं कि, यहां रहने वाले सभी लोग पायलेट हैं और अपने एयरक्राफ्ट को वे खुद ही उड़ाते हैं। ये एक तरह की फ्लाइट इन कम्यूनिटी है,

जहां शनिवार की सुबह इकट्ठा होकर लोग साथ में लेकर एयरपोर्ट तक जाते हैं। बता दें कि, द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जो एयरफील्ड बने थे, उन्हें बदला नहीं गया और उन्हें रेसिडेंशियल एयर पार्क बना दिया गया। यहां रिटायर्ड मिलिट्री पायलट रहते हैं। 1946 के दौरान अमेरिका में कुल लाख पायलट थे। जिन्होंने इन एयर पार्क्स में रहना शुरु किया। कैमरन पार्क साल 1963 में बना था और यहां कुल 124 घर हैं। यहां सड़कों के नाम भी एयरक्राफ्ट्स के नाम पर ही रखे गए हैं और स्ट्रीट साइन भी एयरक्राफ्ट फ्रेंडली बनाए गए हैं।

क्या वाक़ई चीनी सेहत के लिए ख़तरा है

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 25 दिसंबर : चीनी को आज सेहत का सबसे बड़ा दुश्मन माना जाता है. डाइटिशियन से लेकर डॉक्टर तक, सभी आप को चीनी कम से कम खाने की सलाह देते हैं. सेहत के प्रति सतर्क यार-दोस्त मीठे से परहेज का मशविरा देने से नहीं चूकते.क्या वाक़ई चीनी आप की सेहत के लिए ख़राब है?

चलिए पहले इतिहास के पन्ने पलटते हैं.आज से 80 हज़ार साल पहले हमारे शिकारी पूर्वजों को चीनी या मीठा गाहे-बगाहे ही मिलता था. जब फलों का सीज़न होता था, उन दिनों में ही वो मीठा खाते थे. फलों को खाने के लिए भी उनका मुकाबला परिंदों और दूसरे जानवरों से होता था.एक वो दौर था और अब आज का वक्त है. आप सोचिए कि मीठा खाना है और आप के इर्द-गिर्द विकल्पों के ढेर लगे दिखेंगे. चॉकलेट, मिठाई, सिरप, केक, जूस और न जाने क्या-क्या. आज आप को मीठा हर रूप-रंग में मिल जाएगा. कोल्ड ड्रिंक में या फिर जो सीरियल्स का डिब्बा आप सुबह नाश्ते में इस्तेमाल करने के लिए खोलते हैं, हर चीज़ में चीनी है.इसीलिए चीनी को आज जनता की सेहत का दुश्मन नंबर एक घोषित कर दिया गया है. सरकारें चीनी पर टैक्स लगा रही हैं. स्कूल और अस्पतालों में मीठी चीज़ों को खाने की मशीनों से हटाया जा रहा है. जानकार आपको सलाह देते हैं कि चीनी को खान-पान से पूरी तरह से हटा दें और चीनी को इतना बड़ा विलेन तब बनाया जा रहा है, जब वैज्ञानिक अभी पूरी तरह से ये साबित नहीं कर सके हैं कि ज़्यादा चीनी वाला खान-पान आप के लिए नुक़सानदेह है.

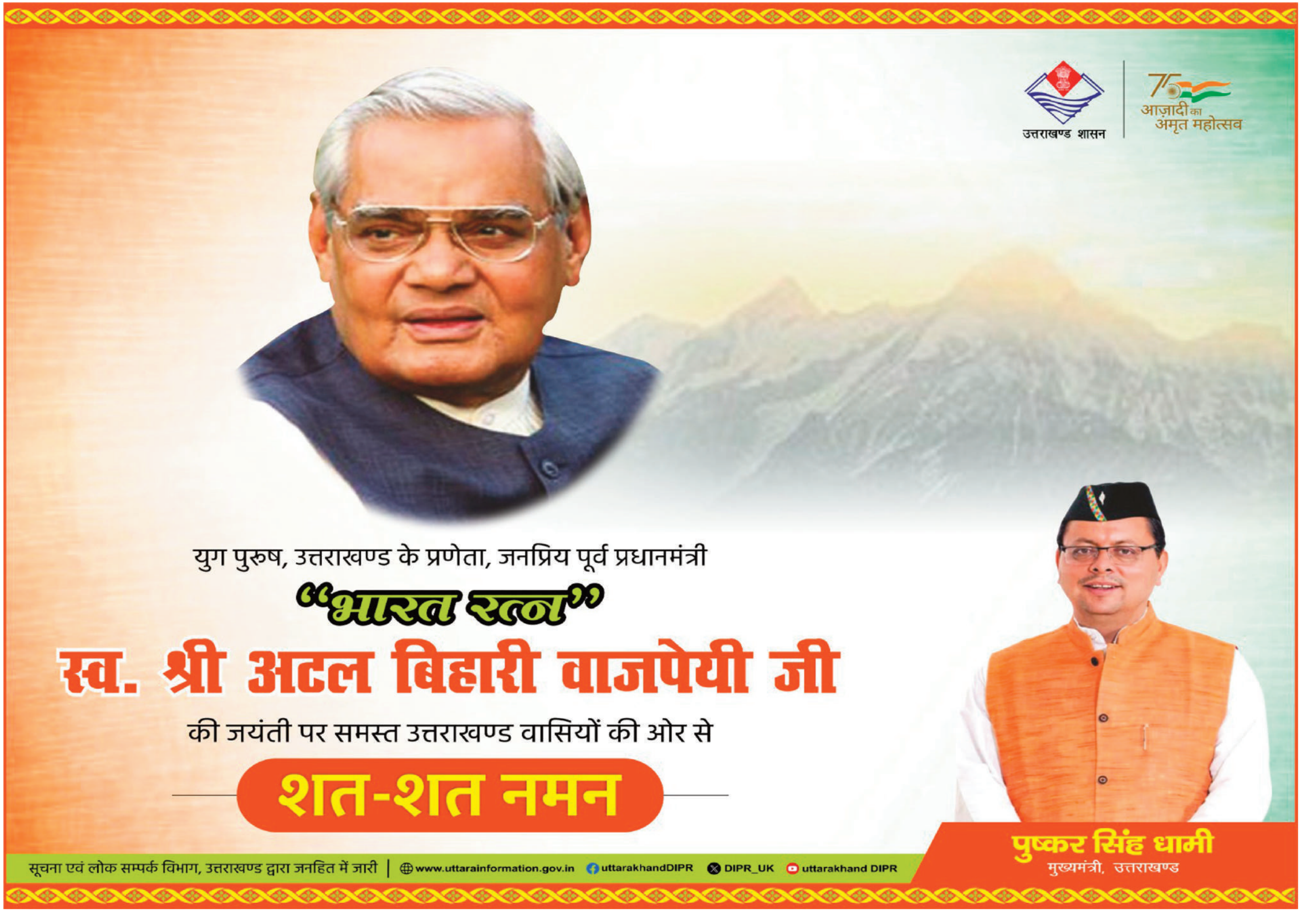

उत्तराखण्ड शासन
75 आज़ादी का अमृत महोत्सव
युग पुरुष, उत्तराखण्ड के प्रणेता, जनप्रिय पूर्व प्रधानमंत्री
"भारत रत्न"
स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी
की जयंती पर समस्त उत्तराखण्ड वासियों की ओर से
शत-शत नमन
पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड
सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी | www.uttarainformation.gov.in uttarakhandDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

टिहरी गढ़वाल के बाद रुद्रप्रयाग, डोबरा चांठी पुल की तरह जगमगाएगा बेलणी पुल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रप्रयाग 25 दिसंबर : टिहरी में स्थित डोबरा-चांठी पुल यहां के पर्यटन का केंद्र बनकर उभरा है। अब ऐसा ही पुल रुद्रप्रयाग जिले में भी बनाया जा रहा है। यहां बने बेलनी पुल को डोबरा चांठी पुल की तर्ज पर सजाया जा रहा है। इन दिनों बेलनी पुल के सौंदर्यीकरण का काम जारी है। इसे रंग बिरंगी लाइटों से सजाया जा रहा है। बेलनी पुल अलकनंदा नदी पर बना है। इन दिनों पुल की मरम्मत की जा रही है, बाद में इस पर लाइट्स लगाई जाएंगी।

सौंदर्यीकरण का कार्य पूरा होने के बाद यह पुल देश-विदेश के श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित करेगा। जिससे शहर अलग ही स्वरूप में नजर आएगा। अलकनंदा नदी के ऊपर बना बेलनी पुल 60 के दशक में बना था। जिससे केदारघाटी, तल्लानागपुर के साथ ही कार्तिक स्वामी मंदिर एक साथ जुड़ सके। कई दशक बीत जाने के बाद वर्तमान में यह पुल जर्जर हालत में है। इस पर भारी वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। अब प्रशासन की पहल पर इस पुल की मरम्मत की जा रही है,

साथ ही इसे सजाया जा रहा है। यहां वाटरप्रूफ रोड बनाने का कार्य जोरों पर चल रहा है। इसके बाद पुल को रंग-बिरंगी लाइट्स से सजाया जाएगा। ये पुल रोशनी से जगमगाने लगेगा तो शहर की सुंदरता पर भी चार चांद लगेंगे। इस तरह आने वाले वक्त में रुद्रप्रयाग शहर पर्यटन का केंद्र बनेगा, यहां रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। वाटर प्रूफ सड़क तैयार होने से लोगों को गंदे पानी की समस्या से निजात मिल जायेगी। रोशनी से जगमगाने वाले को देखने के लिए पर्यटक दूर-दूर से यहां पहुंचेंगे। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

क्रिसमस डे के शांतिपूर्वक आयोजन के लिए एसएसपी नैनीताल ने फील्ड में उतरकर परखी सुरक्षा व्यवस्था

सुरक्षा बलों को मुस्तैदी से ड्यूटी करने के दिए निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जनपद नैनीताल में क्रिसमस के सकुशल एवं शांतिपूर्वक आयोजन के लिए श्री प्रहलाद नारायण मीणा एसएसपी नैनीताल द्वारा जनपद के सभी पर्यटन स्थलों, मुख्य चौराहा, पार्किंग स्थलों, जिले के बोर्डरों एवं सार्वजनिक स्थानों में सुदृढ़ सुरक्षा एवम् सुगम यातायात व्यवस्था के लिए भारी मात्रा में पुलिस बल की तैनाती की गई है। प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था एवं यातायात व्यवस्था का जायजा लेने आज एसएसपी नैनीताल जिले के नैनीताल, रूसी, मंगोली, भवाली, भीमताल, कैंची जैसे अनेक पर्यटन स्थल पर पहुंचे। उन्होंने ड्यूटी पर मौजूद पुलिस बल को ब्रीफ कर निम्न निर्देश दिए:–

▪ ड्यूटी पर लगे सभी अधिकारी/कर्मी मुस्तैदी से ड्यूटी करें।

▪ड्यूटीरत पुलिस बल, अपने उच्च अधिकारियों से परस्पर संपर्क में रहें।

▪मुख्य चौराहों एवं यातायात ड्यूटी पर लगे पुलिस बल पर्यटन एवम् वाहनों की अधिकता के मद्देनजर ही ट्रैफिक छोड़ें। प्रभावी यातायात व्यवस्था स्थापित करें।

▪ समुचित सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित करते हुए संदिग्धों, हुडदंग मचाने वाले तथा अराजक तत्वों पर भी पैनी नजर रखें। पर्याप्त चेकिंग और फ्रिस्किंग करते रहें तथा आवश्यकतानुसार वैधानिक कार्यवाही भी करें।

▪ सभी संचार उपकरण सही हालत में रखें। नगर नियंत्रण कक्ष से समन्वय स्थापित करें।

▪आवश्यक होने पर उच्च अधिकारियों को सूचित करें तथा जिला कंट्रोल रूम से संपर्क करें।

▪देश–विदेश से घूमने आ रहे सभी आगंतुकों तथा स्थानीय लोगों के साथ शालीनतापूर्वक व्यवहार करें। नैनीताल पुलिस की बेहतर छवि को उजागर करें।

जिले के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों (विशेषकर नैनीताल, भीमताल, भवाली, कैंची, मुक्तेश्वर आदि) में घूमने आ रहे सभी आगंतुकों से अपील है कि नैनीताल पुलिस द्वारा समय समय पर जारी ट्रैफिक अपडेट्स तथा यातायात प्लान को देखकर ही यात्रा करें।

उड़ता उत्तराखंड : 2 लाख का स्मैक बेचती हुई महिलाएं गिरफ्तार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रपुर 25 दिसंबर : उत्तराखंड में नशा तस्कर नशे का जाल फैलाने के लिए महिलाओं का सहारा ले रहे हैं। पिछले दिनों ऐसी कई घटनाएं देखने को मिलीं, जब प्रदेश में महिलाएं नशे की तस्करी करते पकड़ी गईं। इस बार रुद्रपुर और रुड़की में नशा तस्कर पकड़े गए हैं। रुद्रपुर में पुलिस ने एक महिला समेत दो लोगों को स्मैक के साथ पकड़ा। इसी तरह रुड़की में चरस तस्कर पकड़ा गया है। पहले रुद्रपुर की बात करते हैं। यहां ट्रांजिट कैंप पुलिस ने स्मैक तस्करी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों में एक महिला भी शामिल है। जिसके पास से 50.25 ग्राम स्मैक बरामद हुई। बरामद स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत दो लाख रुपये से ज्यादा आंकी जा रही है। यहां एक मुखबिर ने पुलिस को स्मैक तस्करी की सूचना दी थी। जिसके बाद पुलिस ने ठाकुर नगर से एक महिला और यूपी के बदायूं में रहने वाले विजय मिस्त्री को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से स्मैक के साथ 3100 रुपये और दो मोबाइल भी बरामद हुए।

आरोपी विजय यूपी के बहेड़ी से स्मैक खरीदकर रुद्रपुर में महंगे दाम में बेचता था। इसी तरह रुड़की में भी पुलिस ने एक तस्कर को दबोचा है। जिसके कब्जे से 470 ग्राम चरस और 15 हजार रुपये की नकदी बरामद हुई। आरोपी का नाम पंकज पुत्र राजवीर है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वो मंगलौर निवासी अपने साथी शोएब से यह चरस खरीद कर लाया था। अब पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

वन मंत्री ने पसर गांव में किया पंचायत भवन का लोकार्पण

नई टिहरी। प्रदेश के वन मंत्री ने नरेंद्रनगर ब्लॉक की ग्राम पंचायत पसर में नवनिर्मित पंचायत भवन का लोकार्पण किया। इस मौके पर मंत्री ने गांव में विभिन्न विकास कार्यों के लिए 14 लाख रुपये विधायक निधि से देने की घोषणा की। वन मंत्री सुबोध उनियाल ने पंचायतीराज विभाग की ओर से राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत 20 लाख की लागत से निर्मित पंचायत भवन पसर का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में विभिन्न गांवों से आए ग्राम प्रधानों ने वन मंत्री के समक्ष पानी की लाइन, सिंचाई लाइन, पानी के स्रोत, बिजली सहित अन्य समस्याएं रखी, जिस पर मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। ग्राम प्रधान पसर नीलम रावत ने क्षेत्र के विकास के लिए ग्राम बन्धाण से तलाई दोबाटा मोटर मार्ग का नवनिर्माण, बनाली से पोखरी विस्तार पसर छूटे हुए भाग का डामरीकरण का कार्य, पूनगड्डू ढाईगला-डिंडोली मोटर मार्ग का नवनिर्माण, पसर डांडा से बन्धाण मोटरमार्ग का निर्माण तथा पसर खेत से घंटाकर्ण मंदिर तक मोटर मार्ग का नवनिर्माण कार्य किए जाने की मांग की। कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि प्रमुख राजेन्द्र सिंह भंडारी, डीपीआरओ मो. मुस्तफा खान, देवेंद्र सिंह, हुकुम सिंह, कमल सिंह, राजेंद्र रावत, मंडलाध्यक्ष गजा रतन सिंह रावत आदि मौजूद रहे।

नया साल शांति से मनाने की हिदायत दी

नई टिहरी। टिहरी पुलिस ने नये साल और क्रिसमस मनाने को लेकर स्थानीय होटल व रिजॉर्ट स्वामियों के साथ बैठक की। पुलिस ने इस दौरान दोनों दिवसों पर शांति और सुरक्षा के साथ मनाने की अपील करते हुए कहा कि किसी भी तरह की संदिग्धता पर पुलिस को तत्काल सूचित करें। एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर के निर्देश पर थाना कैंपटी व थाना नरेंद्रनगर की पुलिस ने स्थानीय होटल और रिजॉर्ट स्वामियों के साथ गोष्ठी कर क्रिसमस और नया साल मनाने की तैयारियों का जायजा लेते हुए इन दिवसों को शांतिपूर्ण तरीके मनाने की अपील की। गोष्ठी में पुलिस ने होटल व रिजॉर्ट स्वामियों को हिदायत दी कि क्रिसमस व नये साल पर कानून व्यवस्था बनाएं। शांति व्यवस्था को बनाये रखने के लिए होटल व रिसोर्ट में किसी भी प्रकार के नशे एवं शराब का सेवन न करायें। डीजे का नियमानुसार संचालन करें। आने वाले यात्रियों व पर्यटकों की आईडी लेने तथा रिजॉर्ट में सीसीटीवी कैमरे लगाकर एक्टिव रखें। किसी भी प्रकार के संदिग्ध व्यक्तियों को लेकर सूचना तत्काल पुलिस को दें।

पुरानी पेंशन बहाली को सडक्रों पर उतरे अधिकारी-कर्मचारी

नई टिहरी। राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा देवप्रयाग ब्लॉक ने प्रदर्शन करते हुए विशाल रैली निकाली। पुरानी पेशन लागू करने को लेकर ब्लॉकभर के अधिकारी-कर्मचारी, शिक्षकों ने नई पेंशन की प्रतियां भी गंगा में प्रवाहित करने के साथ ही राज्य व केंद्र सरकार की बुद्धि शुद्धि के लिए यज्ञ किया। रविवार को पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा संगठन ने देवप्रयाग में रैली निकालकर प्रदर्शन किया। मोर्चा से जुड़े लोगों ने मोदी सरकार पुरानी पेंशन बहाल करो, बुढ़ापे का सहारा पेंशन हक है हमारा, हमारा मिशन पुरानी पेंशन के नारे लगाते हुए और तख्तियां हाथों में लिए प्रदर्शन किया। तहसील मुख्यालय से नगरभर में रैली निकालते लोग संगम स्थल तक पहुंचे और यहां सरकार की बुद्धि-शुद्धि के लिए यज्ञ किया। मोर्चा ने पुरानी पेंशन को तत्काल बहाल न किये जाने पर आने वाले लोकसभा व निकाय चुनाव में सरकार को इसका खामियाजा भुगतने की चेतावनी भी दी। उन्होंने नई पेंशन योजना की खामियों को गिनाते इसको पूरी तरह कर्मचारियों के अनहित में बताया गया। प्रदर्शन में मोर्चा संरक्षक बृजेश भट्ट, ब्लॉक अध्यक्ष राकेश चन्द, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दीपक मियां , महिला उपाध्यक्ष रजनी बिष्ट, सचिव विजय आर्य, पूरणानंद बंगवाल, सतीश बलूनी, धनवीर चन्द रमोला, सोमनाथ टोडरिया, किरण पुंडीर, सुनीता चंद, डॉ. शशि मोहन रावत, शीतल डुकलान, पूर्णानन्द बंगवाल, देवेंद्र कठैत, जयदीप रावत, सीताराम पोखरियाल, हिमांशु जगूड़ी, शिखा मेहता, हिमानी भट्ट, हरीश डंगवाल, पूनम चौहान, धीरज, भुवनेश पाल आदि शामिल रहे।

स्व. बडोनी को टिहरी में किया गया याद

नई टिहरी। उत्तराखंड राज्य निर्माण आंदोलन के पुरोधा उत्तराखंड के गांधी स्व इंद्रमणि बडोनी को जयंती पर पूरे जनपद में याद कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय ने उन्हें जयंती पर याद करते हुए कहा कि राज्य आंदोलन में अहम भूमिका निभाने के साथ ही समाज सेवा एक दिशा देने काम इंद्रमणि बडोनी ने किया। भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश नौटियाल, मीडिया प्रभारी डा. प्रमोद उनियाल, कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश राणा, शहर कांग्रेस अध्यक्ष कुलदीप पंवार, राज्य आंदोलनकारी देवेंद्र नौडियाल ने स्व. बडोनी को याद करते हुए उन्हें उत्तराखंड को नये आयाम देने वाला बताया। प्रेस क्लब में आयोजित एक कार्यक्रम में भी स्व. इद्रमणि बडोनी को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।

ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे स्टेशनों के पास बनेंगे मिनी टाउन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश 25 दिसंबर : ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन परियोजना उत्तराखंड के विकास में मील का पत्थर साबित होगी। परियोजना के पूरा होने के बाद उत्तराखंड के छोटे-छोटे गांव भी रेल सेवा से जुड़ जाएंगे, पर्यटन के साथ रोजगार बढ़ेगा। यहां नए शहर भी विकसित किए जाएंगे। रेल प्रोजेक्ट के तहत 12 रेलवे स्टेशन बनाए जा रहे हैं, जिनमें से 11 को छोटे-छोटे शहरों के रूप में विकसित किया जाएगा। इन सभी 11 स्टेशनों के विकास के लिए धामी सरकार ने मास्टर प्लान बनाने के निर्देश दिए हैं,

जिसके लिए एक साल का वक्त तय किया गया है। स्टेशनों के 400 मीटर की हवाई दूरी को इसमें शामिल किया गया है। मुख्य सचिव डॉ. एसएस संधू ने बताया कि स्टेशन के निकटवर्ती क्षेत्र में हर प्रकार के नए निर्माण पर रोक लगाने का निर्णय लिया गया है। इसमें सरकारी और निजी सभी प्रकार के निर्माण शामिल हैं। सुरक्षित निर्माण के लिए सख्त मानक भी तय किए जाएंगे। पर्वतीय क्षेत्र निर्माण कार्यों के लिहाज से संवेदनशील है। सरकार का मानना है कि रेलवे लाइन पर रेल संचालन शुरू होने के बाद इस पूरे क्षेत्र में बड़े पैमाने पर बदलाव आना तय है।

व्यापारिक, शैक्षिक व पर्यटन की गतिविधियों में तेजी आएगी। इसके लिए निर्माण कार्य भी तेजी से विस्तार लेंगे। ऐसे में विकास और पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य होने जरूरी हैं। इसके लिए मास्टर प्लान में प्रावधान किए जाएंगे। बता दें कि 125 किमी ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन पर 12 स्टेशन व 17 टनल बनाये जा रहे हैं। इनमें अधिकतर स्थानों पर काम करीब-करीब पूरा हो चुका है। इस प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए वर्ष 2024 तक का वक्त तय किया गया है. उत्तराखंड में पर्यटन को बढ़ावा देने एवं कृषि बागवानी एवं स्थानीय उत्पादों की मार्केटिंग के लिए भी मददगार साबित होगी।

देहरादून को जाम से निजात दिलाएगा Google map, यह प्लान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 25 दिसंबर : उत्तराखंड में लंबे समय बाद ट्रैफिक निदेशालय एक्टिव मोड में दिखाई देने लगा है। देहरादून शहर को जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए बॉटल नेक प्वाइंट्स का स्थलीय निरीक्षण किया जा रहा है, व्यवस्थाएं बेहतर करने की कोशिशें की जा रही हैं। पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार के निर्देश के बाद यातायात निदेशालय के स्तर पर देहरादून शहर के ऐसे चौराहों को चिन्हित किया जा रहा है, जो यातायात के लिहाज से बेहद दबाव में हैं।

शहर में बॉटल नेक पॉइंट्स को चिन्हित किया जा रहा है। इसके लिए Google Map टीम की मदद ली जा रही है। ताकि उन चौराहों को चिन्हित किया जा सके, जिन पर ट्रैफिक का दबाव बेहद ज्यादा है।

देहरादून में कुल 15 बॉटल नेक पॉइंट चिन्हित किए गए. जिसमें दिलाराम से ग्रेट वैल्यू, रिस्पना से नेहरू कॉलोनी तिराहा, जाखन, धर्मपुर चौक से हिमपैलेस, दून अस्पताल चौराहा, किशन नगर चौक, रायपुर रोड एवं सर्वे चौक, प्रिंस चौक से होटल रिची

रिच, मसूरी, एमकेपी चौक, गांधी रोड रेलवे स्टेशन, कमला पैलेस, डालन वाला स्कूल क्षेत्र और घंटाघर क्षेत्र शामिल हैं।

शहर में सभी पार्किंग को बेहतर तरीके से संचालित किए जाने के लिए भी संबंधित लोगों को निर्देश जारी करने के लिए कहा गया है। देहरादून शहर के 49 जंक्शन के ट्रैफिक सिग्नल के टाइमर को यातायात के दबाव के अनुसार रिवाइज किया जाएगा। यातायात व्यवस्था को बेहतर करने के लिए ड्यूटी पॉइंट पर यातायात कर्मी लाउड हीलर और सीपीयू पीक आवर में चिन्हित स्थलों पर ड्यूटी करेंगे।

चिन्हित क्षेत्र में अगर कोई वाहन खड़ा होता है, तो टोइंग मशीन में लगे माइक के माध्यम से पहले अनाउंसमेंट किया जाएगा और इसके बाद गाड़ी को यहां से हटाया जाएगा। इस तरह गठन के लंबे समय बाद ट्रैफिक निदेशालय ने दून की ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार के लिए कारगर कदम उठाने शुरू कर दिए हैं, उम्मीद है इसके अच्छे परिणाम जल्द ही देखने को मिलेंगे।

सावधान : इन लोगों में तेजी से फैल रहा है कोरोना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 25 दिसंबर : देश में कोरोना के केस फिर बढ़ने लगे हैं। कोरोना के नए वेरिएंट जेएन.1 ने भी देश में दस्तक दी है। कई राज्यों में इसके केस मिले हैं। जिसके बाद उत्तराखंड का स्वास्थ्य महकमा भी अलर्ट मोड पर है। दो दिन पहले यहां कोविड को लेकर गाइडलाइन जारी की गई थी। स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर राजेश कुमार की अध्यक्षता में जिलाधिकारियों, मुख्य चिकित्सा अधिकारी व स्वास्थ्य अधिकारियों की बैठक भी हुई। कोरोना के संभावित खतरे को देखते हुए दून मेडिकल कॉलेज के सरकारी अस्पताल में आइसोलेशन वार्ड और अन्य व्यवस्थाएं कड़ी कर दी गई हैं। लोगों से अपील की गई है कि फ्लू का पता चलते ही तुरंत जांच कराएं। कैंसर, शुगर, किडनी और दिल की बीमारी से पीड़ित लोगों को इस Covid JN.1 Variant से अधिक सावधान रहने की सलाह दी गई है। बच्चे और बुजुर्ग इससे बेहद सावधान रहें। दून अस्पताल के सीएमएस अनुराग अग्रवाल ने कहा कि हम नए Covid JN.1 Variant के लिए टेस्टिंग बढ़ाएंगे और पोर्टल पर मरीजों की संख्या भी अपडेट करते रहेंगे। कोविड-19 के लिए 20

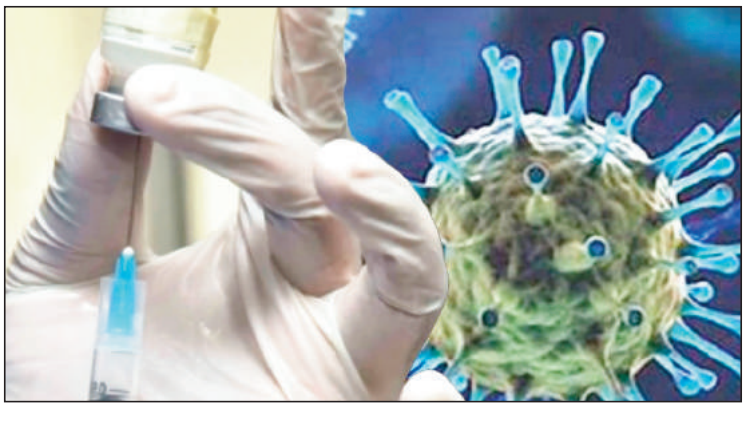

बेड का ऑक्सीजन वार्ड तैयार किया गया है और 09 बेड का आईसीयू वार्ड भी आरक्षित किया गया हैं। प्रदेश के सभी अस्पतालों में व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रखने के निर्देश जारी किए गए हैं। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि कोविड की जांच आरटी पीसीआर के माध्यम से की जाए।

सभी कोविड पॉजिटिव सैंपल की जीनोम सीक्वेंसिंग भी जरूर की जाए। स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर राजेश कुमार ने कहा कि सभी जिलाधिकारियों से कहा गया है कि वह आमजन में कोविड संबंधित भ्रांतियों को बढ़ने ना दें और स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी आधिकारिक सूचनाओं का ही अनुपालन करें।

डॉक्टरों ने कहा कि नया वेरिएंट पिछले वेरिएंट से बहुत अलग नहीं है, लेकिन कैंसर, शुगर, किडनी और दिल की बीमारी से पीड़ित लोगों को Covid JN.1 Variant से अधिक सावधान रहने की सलाह दी गई है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि सभी कोरोना गाइडलाइन का पालन करें।

संक्षिप्त खबरें

मूल निवास, भू कानून पर जनता को गुमराह न करे सरकार : उक्रांद

रुद्रप्रयाग। यूकेडी ने सरकार पर मूल निवास प्रमाण पत्र और भू कानून को लेकर गुमराह करने का आरोप लगाया है। उक्रांद का कहना है कि सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि मूल निवास कब और क्यों खत्म किया गया और स्थाई निवास कब व क्यों शुरू किया गया। सरकार जनता को भ्रम में डाल रही है। उक्रांद के केन्द्रीय प्रवक्ता देवेंन्द्र चमोली ने कहा कि सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि जब मूल निवास की कट ऑफ डेट 1950 तय है जिसका प्रावधान उत्तराखंड राज्य पुनर्गठन अधिनियम में भी है तो उत्तराखंड में इसके समकक्ष स्थाई निवास की व्यवस्था क्यों की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार को यह भी बताना होगा कि मूल निवास से क्या लाभ होगा व स्थाई निवास की उपयोगिता क्या है। उक्रांद प्रवक्ता ने कहा कि सरकार के मुखिया मूल निवास पर भ्रामक बयानबाजी कर जनता को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस राज्य की लड़ाई युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने व जल जंगल जमीन पर स्थानीय लोगों के अधिकार को लेकर लड़ी गई, किंतु सशक्त भू कानून व मूल निवास 1950 न होने के कारण राज्य की जमीनों पर बाहरी पूंजीपतियों का अधिपत्य हो गया। साथ ही प्रदेश के बेरोजगारों के हिस्से का रोजगार बाहरी प्रदेशों से आए लोगों को स्थाई निवास देकर छीना जा रहा है। उन्होंने कहा कि 23 वर्षों से ठगी जा रही जनता अब सडक़ों पर उतर आई है। जनता समझ रही है कि आखिर उत्तराखंड क्रान्ति दल मूल निवास व सशक्त भू-कानून की क्यों बात कर रहा है। उन्होंने कहा कि उक्रांद मूल निवास व भू-कानून को लेकर निर्णायक लड़ाई लड़ेगा।

ऊखीमठ बाजार में अलाव जलाने की मांग

रुद्रप्रयाग। एक ओर जहां लगातार ठंड बढ़ रही है वहीं दूसरी ओर नगर में अभी तक अलाव की व्यवस्था शुरू नहीं हो पाई है। कड़ाके की ठंड में स्थानीय लोगों एवं श्रद्धालुओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। नगर पंचायत अध्यक्ष एवं सभासदों का कार्यकाल पूरा होने के बाद नगर में लगातार अव्यवस्थाएं बढ़ रही हैं। पिछले पांच सालों में प्रत्येक वर्ष अलाव की व्यवस्था होती थी, लेकिन इस वर्ष नहीं हो पाई है। बाबा केदारनाथ के शीतकालीन पूजा स्थल ओंकारेश्वर मंदिर में आने वाले श्रद्धालु व पर्यटक स्थल चोपता जाने वाले पर्यटक ऊखीमठ पहुंचते हैं लेकिन सुबह शाम हो रही ठंड से श्रद्धालु और पर्यटकों को परेशानियां हो रही है। ठंड के अधिक होने के कारण कई लोगों के प्रातः कालीन टहलने के समय पर असर पड़ रहा है। सबसे अधिक परेशानी बुजुर्गों और बच्चों को हो रही है। हालात हैं कि शाम ढलते ही सडक़ों पर सन्नाटा पसरने लगा है और तापमान शून्य से नीचे पहुंच रहा है। गांधीनगर वार्ड की निवर्तमान सभासद पूजा देवी ने बताया कि नगर में भी विभिन्न स्थानों पर अलाव जलाया जाता था लेकिन इस वर्ष अभी तक शुरू नहीं हो पाया है। वहीं स्थानीय लोगों ने भी प्रशासन से अलावा की सुचारु व्यवस्था करने की मांग की है।

भाजयुमो की बैठक में हुई विभिन्न कार्यो पर चर्चा

रुद्रप्रयाग। मण्डल सशक्तिकरण अभियान को लेकर केदारनाथ विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता युवा मोर्चा अगस्त्यमुनि ग्रामीण मंडल की बैठक भाजयुमो जिला मीडिया प्रभारी व भाजयुमो मंडल प्रवासी राजीव भट्ट की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान संगठन के विभिन्न कार्यो पर चर्चा की गई। साथ ही आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर भी विचार विमर्श किया गया। राजीव भट्ट ने युवा मोर्चा मण्डल की टीम के साथ बैठक कर आगामी कार्यक्रम की योजना तैयार की साथ ही सभी पदाधिकारियों को सरल ऐप, नमो एप डाउनलोड कर कार्यक्रम को अपलोड करने का कार्य भी पूर्ण कराया। सभी को केंद्र सरकार व प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही जन योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने के विषय में जानकारी दी गई। सभी शक्तिकेंद्रों में युवा प्रमुखों की नियुक्ति की गई। इस मौके पर भाजयुमो मंडल अध्यक्ष योगेश सेमवाल, मंडल उपाध्यक्ष राहुल कुमार, मुकेश बिष्ट, भगवती सेमवाल, शिवानन्द नौटियाल सहित मण्डल की समस्त युवा मोर्चा कार्यकारिणी के सदस्य मौजूद थे।

पांडवों के पश्वा एक दूसरे को गले-लगाकर नाचे

रुद्रप्रयाग। मुख्यालय स्थित पुनाड़ पांडव चौक में चल रही पांडव लीला में रविवार को बड़ी संख्या में दर्शक पांडव नृत्य देखने पहुंचे। वहीं इस आयोजन के समापन की ओर अग्रसर होते ही पांडव पश्वाओं ने एक दूसरे को गले लगाकर नृत्य किया। वहीं रविवार रात को हाथी कौथिग को लेकर भी दर्शकों में उत्साह रहा। बीते दिन गंगा स्नान कर नकुल द्वारा अपने पिता पांडु को तपर्ण दिया गया। जबकि गंगा तट पर श्रीकृष्ण की आरती उतारकर पांडव एवं भक्तों ने आशीष लिया। रविवार को सभी पांडव पश्वाओं ने चौक में अवतरित होकर भक्तों को आशीर्वाद दिया। बीते 4 दिसम्बर से पुनाड़ पांडव चौक में पांडव लीला का आयोजन चल रहा है। सोमवार आज मोरू डाली कौथिग के साथ पांडव नृत्य का विधिवत समापन हो जाएगा। रविवार को पांडव नृत्य के अंतिम दिन होने से भी बड़ी संख्या में भक्त यहां पहुंचे। समिति ने सभी भक्तों से मोरू डाली कौथिग में पहुंचकर प्रसाद लेने का आह्वान किया है। इस मौके पर पांडव नृत्य एवं शिव समिति पुनाड़ के अध्यक्ष प्रकाश भारती, सचिव सुनील नौटियाल, कोषाध्यक्ष विक्रम कप्रवान, रामचन्द्र नौटियाल, दिगम्बर प्रसाद सेमवाल, दिनेश चन्द्र सेमवाल सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

जल जाने पर भूलकर भी न करें ऐसा काम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 25 दिसंबर ; किचन में खाना पकाते वक्त कई बार ऐसी स्थिति आती है कि हाथ जल जाता है. चाहे तेल का छींटा आकर गिर जाए या फिर हाथ गर्म कड़ाही से छू जाए. ऐसे में काफी तेज जलन होती है और तुरंत दवा की जरूरत महसूस होती है. ज्यादातर लोग गुंथा हुआ आटा, मक्खन, तेल या फिर बर्फ लगा देते हैं ताकि उसे कुछ राहत मिले. लेकिन ये घरेलू नुस्खे कितने कारगर हैं? क्या सच में इनसे फायदा होता है, या फिर नुकसान? डॉक्टरों की राय सुनकर आप हैरान रह जाएंगे. उनके मुताबिक, ऐसी चीजों से कई बार फायदा होने की बजाय नुकसान हो जाता है. इसलिए इन घरेलू नुस्खों से दूर ही रहें तो बेहतर. तो फिर जल जाने पर करें क्या? आइए जानते हैं डॉक्टर ने क्या बताया.

सबसे पहली बात, अगर छोटी जगह पर जला हो तो सबसे पहले उस जगह को साधारण नल के पानी से तब तक धोएं, जब तक जलन कम न हो जाए. अगर छाला बन गया हो तो इसे फोड़ने की कोशिश बिल्कुल भी न करें, कोई भी एंटी बायोटिक या एंटी सेप्टिक क्रीम इस पर लगा दें. एक-दो दिनों में यह खुद ही ठीक हो जाएगा. ज्यादा जल गए हों तो लापरवाही करने की बजाय तुरंत सीधे डॉक्टर के पास जाएं. कोई कितना गंभीर जला है, इसे डिग्री में बांटा गया है. सिर्फ ऊपरी खाल जली हो तो उसे फर्स्ट डिग्री बर्न में रखा जाता है. इसमें त्वचा लाल हो जाएगी और सूजन दिखेगी. आमतौर पर यह कुछ ही दिनों में खुद ठीक हो जाएगा.

ज्यादा सूजन आए तो क्या करना चाहिए

सेकंड डिग्री बर्न में ऊपरी त्वचा के साथ-साथ भीतरी त्वचा भी जल जाती है. इसे स्किन लाल हो जाती है और फफोले बन जाते हैं. इन्हें ठीक होने में 2 से 3 हफ्ते भी लग सकते हैं. अगर सूजन ज्यादा है तो डॉक्टर के पास जरूर जाना चाहिए. डायचे वैले की एक रिपोर्ट के मुताबिक, जर्मनी के डॉक्टर रफाएल श्टाउबाख कहते हैं कि घाव जितना गहरा होगा, उसे ठीक करने में उतना ही ज्यादा समय लगेगा. ऐसा थर्ड डिग्री बर्न की स्थिति में होता है. ऐसी स्थिति में तुरंत डॉक्टर के पास जाना चाहिए. क्योंकि इस स्थिति में त्वचा का रंग बदल जाता है, वह सफेद, भूरे या काले रंग की हो जाती है. इससे रक्त संचरण बाधित हो जाता है.

कई लोग घर में गुंथा हुआ आटा, मक्खन, तेल या फिर बर्फ लगा देते हैं. डॉक्टर ने कहा, इससे बचें तो बेहतर है क्योंकि यह फायदे की बजाय नुकसान पहुंचा सकता है. तेल-मक्खन

गर्म जगह को और गर्म कर देगा, जबकि उसे ठंडा करने की जरूरत होती है. गूंथा हुआ आटा ठंडा तो करेगा लेकिन सिर्फ ऊपरी त्वचा तक. जहां पर घाव है, वहां तक नहीं पहुंच पाता. इसलिए सबसे पहले तो जलन वाली जगह को ठंडा करें. बर्फ वाला पानी नहीं, बिल्कुल गुनगुना पानी इसके लिए इस्तेमाल करें. गीले तौलिये से ही जले हुए हिस्से को गीला रख सकते हैं. इसके बाद तुरंत एंटीबायोटिक क्रीम लगाएं।

नैनीताल : नरभक्षी से प्रभावित भीमताल में पिंजरे में कैद हुआ गुलदार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल 25 दिसंबर : नैनीताल का भीमताल इलाका नरभक्षी से प्रभावित है। यहां पिछले दिनों नरभक्षी वन्यजीव ने तीन महिलाओं को मार डाला। इन तमाम घटनाओं के बाद वन विभाग ने क्षेत्र में पिंजरा लगाया था, जिसमें एक गुलदार कैद हुआ है। वन विभाग के अधिकारी मौके के लिए रवाना हो गए हैं। डीएफओ चंद्रशेखर जोशी ने बताया कि दुधली में गुलदार पकड़ा गया है।

गुलदार के सैंपल लेकर जांच की जाएगी कि ये वही हमलावर नरभक्षी है या नहीं। बता दें कि नैनीताल का भीमताल इलाका इन दिनों नरभक्षी बाघ-गुलदार की वजह से चर्चा में है।

शासन ने गुलदार को नरभक्षी घोषित करते हुए मारने के आदेश दिए थे, जिसके बाद उच्च न्यायालय ने स्वत संज्ञान लेकर उसे सीधे मारने से मना कर दिया था। नरभक्षी को गुलदार या बाघ चिन्हित कर पाने में असफल रहने पर न्यायालय ने पहले उसे चिन्हित कर कब्जे में लेने को कहा था। जिस पर वन विभाग ने हिंसक वन्यजीव को पकड़ने के लिए 14 पिंजरे और 36 कैमरा ट्रैप लगाए।

इसके अलावा कई गश्ती दल और ड्रोन

कैमरे से हिंसक वन्यजीव की लोकेशन को तलाशा गया। बीती शाम तक तमाम कोशिशों के बावजूद विभाग को हिंसक वन्यजीव के पंजे, मल-मूत्र कोई फोटो या अन्य ठोस जानकारी नहीं मिल सकी थी। बाघ और गुलदार के असमंजस के बीच बड़ौन रेंज के दुधली गांव में एक गुलदार पिंजरे में कैद हो गया। अब पकड़े गए गुलदार का सैंपल लिया गया , उसके बाद ही इस मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

फोन, लैपटॉप पर ज्यादा समय बिता रहे हैं, तो इन चीज़ों का रखें खास ख्याल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 25 दिसंबर : पिछले कुछ सालो में हमारे जीवन में कई बदलाव किए। इन बदलावों में से कई हमारे लिए काफी सकारात्मक रहे, तो वहीं कुछ ऐसे भी थे, जिन्होंने हमारे जीवन पर काफी बुरा और नकारात्मक प्रभाव डाला। कोरोना काल के इन्हीं दुष्परिणामों में से एक है स्क्रीन टाइम का बढ़ना। वर्क फ्रॉम होम का कल्चर आने से न सिर्फ काम के लिए लोगों का स्क्रीन टाइम बढ़ गया, बल्कि लॉकडाउन में घर में बंद रहने की वजह से लोगों को मोबाइल आदि की काफी आदत हो गई। कोरोना काल के दौरान लगी इस आदत की वजह अब लोगों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

अगर आप भी उन्हीं लोगों में शामिल हैं और अपना स्क्रीन टाइम कम करना चाहते हैं, तो हम आपके बताएंगे कुछ आसान टिप्स जिसकी मदद से आप अपना स्क्रीन टाइम कम कर पाएंगे। ज्यादातर लोग नोटिफिकेशन की वजह से बार-बार अपना फोन चेक करते रहते हैं। ऐसे में अगर आप अपना स्क्रीन टाइम कम करना चाहते हैं, तो अपना काम खत्म होने के बाद नोटिफिकेशन बंद कर दें, ताकि बार-बार नोटिफिकेशन चेक करने के चक्कर में आप मोबाइल इस्तेमाल करने न लग जाएं। कोरोना महामारी के दौरान लोगों के काम के घंटे बढ़ने की वजह से उनका स्क्रीन टाइम भी काफी बढ़ गया है। ऐसे में कोशिश करें कि जब भी आपको समय मिले, आप स्क्रीन से दूरी जरूर बनाएं। साथ ही ब्रेक के दौरान भी स्क्रीन से दूर हो जाएं और बीच-बीच में ब्रेक लेते रहें। इन दिनों लोगों के अंदर सोशल मीडिया को लेकर एक अलग क्रेज देखने को मिल रहा है।

ऑफिस वर्क के अलावा लोग अपने मोबाइल पर अपना ज्यादातर सोशल मीडिया साइट्स देखने में गुजारते हैं। ऐसे में अगर आप अपना स्क्रीन टाइम कम करना चाहते हैं, तो सोशल मीडिया साइट्स स्क्रॉलिंग करने की आदत को छोड़ दें। स्क्रीन टाइम बढ़ाने के पीछे अहम वजह लोगों का सोशल मीडिया साइट्स पर टाइम बिताना है। ऐसे में अगर आप अपना स्क्रीन टाइम कम करना चाहते हैं, तो बीच-बीच में डिजिटल ब्रेक लेते हैं। इस ब्रेक के दौरान आपको अपने फोन और सोशल मीडिया अकाउंट्स से पूरी तरह से दूरी बनाना होगी। अपने खाली समय में बोरियत से बचने के लिए ज्यादातर लोग फोन पर अपना वक्त गुजारते हैं। लेकिन अगर आप स्क्रीन टाइम कम करना चाहते हैं, तो अपने खाली समय में मोबाइल इस्तेमाल करने की बजाय कुछ अन्य गतिविधियां जैसे किताबें पढ़ना, घूमने जाना, दोस्तों से मिलना आदि कर सकते हैं।

ये है दुनिया की सबसे पहली जेल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 25 दिसंबर : ईस्टर्न स्टेट पेनिटेंटरी को दुनिया की सबसे पहली जेल कहा जाता है. अब इसे बनाया गया तब यह एक आदर्श जेल थी. यह बिल्कुल वैसी ही थी जैसी खूंखार कैदियों के लिए जेल होनी चाहिए. यह जेल कई जेलों के निर्माण के लिए एक मॉडल थी. इसकी विरासत खूंखार कैदियों के लिए 'पृथ्वी पर नर्क' कही जाने वाली जगह के रूप में है. कभी इस जेल में दुनिया के सबसे खूंखार कैदी कैद थे लेकिन अब कहा जाता है कि उसमें कई भूतों का डेरा है.

रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राज्य पेंसिल्वेनिया के फिलाडेल्फिया शहर में यह जेल 1829 में खोली गई और 1971 तक चालू रही. यह जेल ने वहां कैद कुख्यात

कैदियों के साथ-साथ उन बद से बदतर हालातों के लिए फेमस हुई, जिनसे उन्हें गुजरना पड़ा था. शुरुआत में इस जेल को 250 कैदियों के लिए ही बनाया गया था. लेकिन पांच दशकों में यह संख्या बढ़कर 1000 से अधिक हो गई.

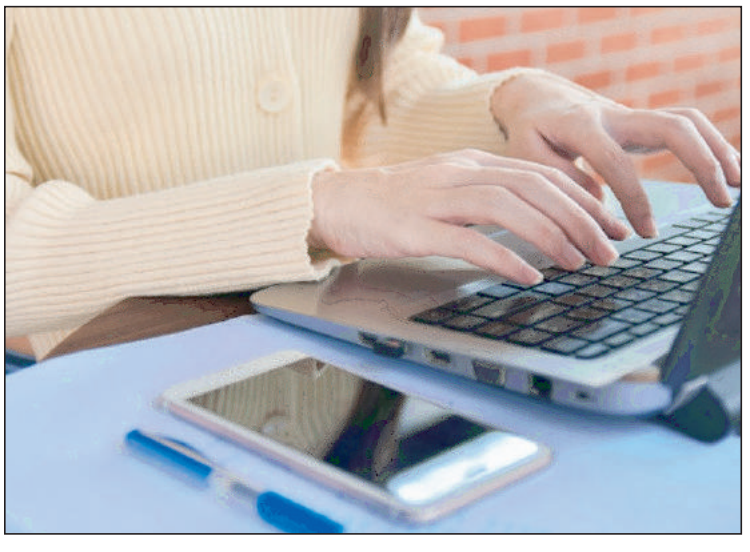

क्या खतरा बन सकता है पावर बैंक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 25 दिसंबर : आज के वक्त में हम बिजली से चलने वाले कई तरह के उपकरणों का इस्तेमाल करते हैं. इसमें मोबाइल फोन, ईयर बड्स, टैबलेट आदि जैसी चीजें शामिल होती हैं. इन चीजों में बैटरी बैकअप होता है, पर खत्म होने पर उन्हें दोबारा चार्ज करना पड़ता है. अब दोबारा चार्ज करने के लिए हर जगह सॉकेट तो उपलब्ध हो नहीं सकता. ऐसे में लोग पावर बैंक्स को साथ ले चलते हैं. ये एक उपकरण है, जिसे चार्ज करने के बाद, ये दूसरे उपकरणों को चार्ज करने के काम आता है. पर इसे आमतौर पर फ्लाइट्स पर ले जाने से रोका जाता है. क्या आपने कभी सोचा है कि ऐसा क्यों है। देश-दुनिया जुड़े अनोखे फैक्ट्स जो आपको हैरान कर देते हैं. आज हम बात करेंगे, पावर बैंक्स के बारे में. दरअसल, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कोरा पर किसी ने सवाल किया- "पावर बैंक हवाई जहाज में ले जाना क्यों मना है?" सवाल काफी रोचक है क्योंकि आजकल लोग अक्सर विमानों में पावर बैंक लेकर यात्रा करते हैं.

प्रमेंद्र नाथ मिश्रा नाम के यूजर ने इसका जवाब देते हुए कहा- "पावर बैंक लगेज में भरकर ले जाने की मनाही है, इसे कार्गो सामान भी कहते हैं, जो विमान में आपसे दूर नीचे कार्गो होल्ड में रखा जाता है. हाथ के सामान के साथ इसे ले जा सकते हैं. कारण ये है कि इसमें लिथियम बैटरी होती है जो रगड़ खाने पर या अधिक दबने पर विस्फोट कर सकती है. इस विस्फोट से आस पास रखे सामान में आग लगने की संभावना हो सकती है." जॉयशा नाम की एक यूजर ने कहा- "एयरलाइन्स पावर बैंक को कार्गो लगेज के साथ ले जाने से मना करते हैं. इसके पीछे की मुख्य वजह सुरक्षा है. ऐसा इसलिए कि पावर बैंक में लिथियम सेल लगे होते हैं. लिथियम बैटरी के गर्म होने पर ब्लास्ट होने की संभावना बनी रहती है. यही एक कारण है कि प्लेग के कार्गो लगेज के साथ पावर बैंक को ले जाने पर मनाही है. IATA (इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन) ने 2017 में रिवाइज्ड रेग्युलेशन के मुताबिक लिथियम मेटल या लिथियम बैटरी को ट्रांसपोर्ट करने पर बैन लगा दिया गया है."

आइए देखते हैं कि विश्वस्नीय सोर्सेज के अनुसार इस सवाल का सही जवाब क्या है. ट्रैवल और टूरिज्म से जुड़ी चर्चित कंपनी इग्जिगो की वेबसाइट के अनुसार पावर बैंक को प्रतिबंधित सामान नहीं माना जाता है, हालांकि, उनके इस्तेमाल से जुड़े नियम कुछ अलग होते हैं. ये नियम एयरलाइन या फिर देश के नियमों के अनुसार होते हैं. पावर बैंक को कैबिन लगेज में ले जाने के लिए कहा जाता है, चेक इन लगेज में

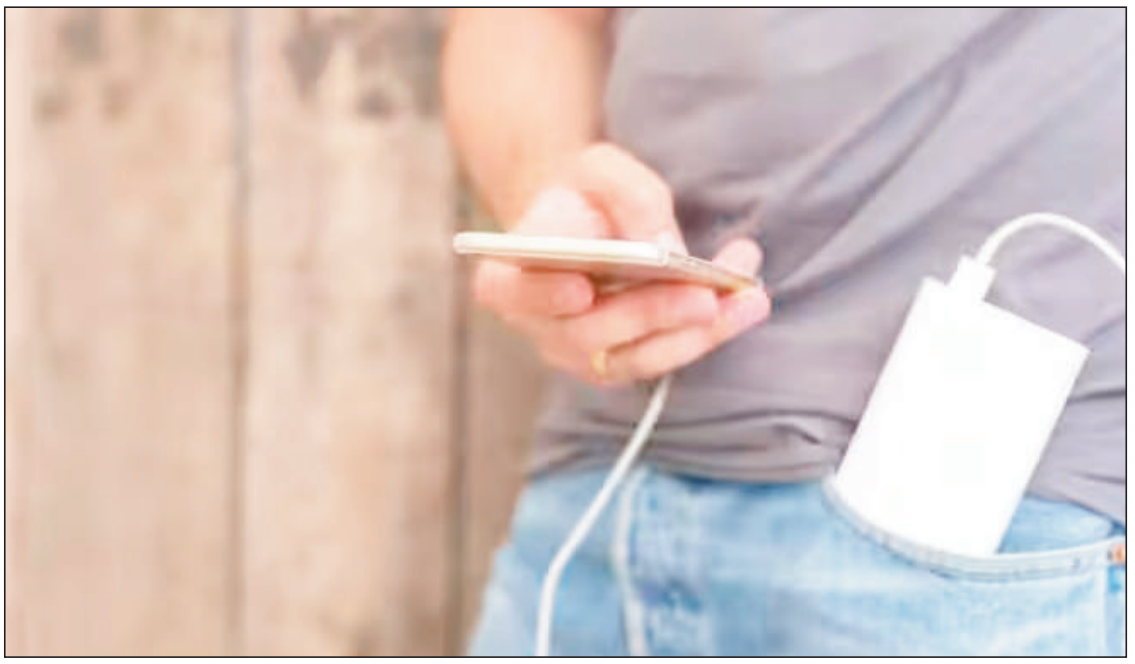

उसे ले जाने नहीं देते. ऐसा इसलिए क्योंकि पावर बैंक में लिथियम आयन बैट्रीज होती हैं. जिसे इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अनुसार खतरनाक सामान माना जाता है. इन्हें बैटरी की तरह माना जाता है, इस वजह से लगेज के साथ नहीं ले जाने देते क्योंकि फ्रिक्शन से इसके कारण आग लग सकती है. कई अंतरराष्ट्रीय एयरलाइन में 100 वॉट आवर (Wh), यानी 27,000 mAh के पावर बैंक्स को केबिन में ले जाने देते हैं. अगर पावर बैंक 100 वॉट आवर से 160 वॉट आवर तक है, तो एयरलाइन की खास परमीशन की जरूरत पड़ती है. वहीं अगर पावर बैंक उससे ज्यादा वॉट आवर का होता है तो उसे ले जाने पर सख्त रोक होती है.

संपादकीय

दिव्य रत्न, जो सदैव 'अटल' रहा

भारत देश का एक ऐसा दिव्य रत्न जो सदैव 'अटल' ही रहा, चाहे परिस्थितियां अनुकूल हों या प्रतिकूल। यह रत्न रूपी शख्सियत कोई अन्य नहीं, बल्कि भारत रत्न, देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी थे। सदैव अपने शब्दों की भांति स्पष्ट और सरल होने के बावजूद सदैव अटल रहे। अपने शब्दों व रचना से एक ऐसा सफर शुरू किया कि यह सफर निरंतर चलता ही रहा और आज भी अटल बिहारी वाजपेयी जी के शब्दों व उनकी कही बातों या भाषणों के रूप में यह सफर निरंतर गति पर अग्रसर है, आज वो अपनी कही बातों से जीवंत हैं। वाजपेयी जी अपने शब्दों की भांति ही सदैव स्पष्ट रहते थे, चाहे एक कवि के रूप में हों, पत्रकार के रूप में या रणनीतिकार हों या चाहे एक प्रधानमंत्री के रूप में ही क्यों न हों। स्पष्टता व ईमानदारी के प्रतीक थे अटल बिहारी वाजपेयी जी जिन्हें आज भी पूरा समाज उनके शब्दों व कविताओं के माध्यम से याद करता है, उनके संसद में दिए उन भाषणों को स्मरण करता है जिन भाषणों में उन्होंने संसद के सत्र में स्पष्ट कहा था कि 'सरकारें आएंगी, जाएंगी, पार्टियां बनेंगी, बिगड़ेंगी, मगर यह देश रहना चाहिए।' उनकी देश व लोगों के प्रति यह जिंदादिली ही उन्हें अविस्मरणीय अध्याय में स्थापित कर देती है। तीन बार देश के प्रधानमंत्री रहे वाजपेयी जी को सारा देश जयंती पर नमन करता आया है। अटल जी नीति-सिद्धांत, विचार एवं व्यवहार की सर्वोच्च चोटी पर रहते हुए सदैव जमीन से जुड़े रहने वाले नेता रहे। उन्होंने राजनीति में कभी छोटे मन से काम नहीं किया। अटल जी ने देश सेवा के दौरान जो दिया, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। जब तक तन में ऊर्जा बची रही, तब तक वे सेवारत रहे। कत्तव्य पथ पर चलते-चलते अटल जी अब थकने लगे थे। 93 वर्ष की आयु में आखिरकार 16 अगस्त 2018 को उनका देहावसान हो गया। उनकी याद में 'सदैव अटल' नाम से स्मृति स्थल का निर्माण किया गया। अटल जी दूरदर्शी राजनेता, ओजस्वी वक्ता, विद्वान साहित्यकार, राष्ट्रवादी संवेदनशील कवि तथा प्रखर सांसद रहे। अटल जी ने अपना सारा जीवन राष्ट्र की निःस्वार्थ सेवा में समर्पित कर दिया। उन्होंने सुशासन के प्रामाणिक मानदंड स्थापित किए। उनका राष्ट्र निर्माण में योगदान सदैव आदरपूर्वक याद किया जाएगा। एक प्रधानमंत्री के रूप में वाजपेयी जी के महान कार्यों व उनकी नेतृत्व क्षमता का सभी लोहा मानते हैं। विषम से विषम परिस्थितियों का भी उन्होंने बड़ी ही सहजता व धैर्य के साथ सामना किया। विश्व शांति के उनके प्रयासों के लिए आज समूचा विश्व उनकी सराहना करता है। विश्व से आतंकवाद मिटाने हेतु उनके द्वारा उठाए गए कदम प्रशंसनीय हैं। उन्होंने सभी पड़ोसी देशों से अपने संबंध सुधारने का प्रयास किया। वे परस्पर मिल-बैठकर आपसी सहमति से विषम समस्याओं का समाधान करने के हामी रहे हैं। उनका यही उदारवादी दृष्टिकोण उनके महान मानवीय पक्ष को उजागर करता है।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

उत्तराखंड पुलिस विभाग में 327 पदों पर होगी भर्ती

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 25 दिसंबर : पुलिस सेवा मे जाने की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए अच्छी खबर है। प्रदेश के पुलिस महकमे में 327 पदों पर भर्ती का रास्ता साफ हो गया है। धामी सरकार ने इस संबंध में बड़ा फैसला लेते हुए पुलिस विभाग में 327 नए पदों के सृजन को मंजूरी दे दी है। कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव पर चर्चा हुई थी, जिसमें नए थानों, चौकियों के गठन और नवीन पदों के सृजन पर सहमति बनी है।

इसके तहत 06 नये थानों एवं 21 चौकियों के गठन के लिए प्रति थाने 16 पद एवं प्रति चौकी 11 पदों का सृजन किया जाएगा। इस तरह कुल 327 नवीन पदों का सृजन होना है। पुलिस विभाग के अन्तर्गत 06 नए थाने बनाए जाएंगे, साथ ही रिपोर्टिंग पुलिस चौकियां भी बनाई जाएंगी।

जनपद चम्पावत के थाना पाटी के अन्तर्गत 01 नवीन रिपोर्टिंग पुलिस चौकी देवीधुरा में बनेगी। जिसके लिए 11 पदों पर तैनाती होनी है। इस प्रकार कुल 327 नवीन पदों का सृजन किया जाना है। ये तमाम पद वो पद होंगे, जो नए थाना-चौकियों में रखे जाने हैं। इन पदों के सृजन से क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं को रोजगार का अवसर मिलेगा, साथ ही संबंधित क्षेत्रों में कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था बेहतर होगी।

जन्मदिवस पर इंद्रमणी बड़ोनी को किया याद

पौड़ी। उत्तराखंड के गांधी स्व. इंद्रमणि बडोनी के जन्मदिन को लोक संस्कृति दिवस के रूप में मनाया गया। क्षेत्र के सभी शिक्षण संस्थानों में स्व. इंद्रमणि बडोनी के जन्मदिन पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। जीआईसी कोचियार में छात्र-छात्राओं ने पारंपरिक वेशभूषा के साथ लोकगीत, लोकनृत्य आदि सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। प्रधानाचार्य अफसर हुसैन ने लोक संस्कृति दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राज्य आंदोलन में स्व. बडोनी की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए उन्हें उत्तराखंड के गांधी के रूप में माना जाता है। शिक्षक विनोद डबराल ने उत्तराखंड राज्य प्राप्ति के लिए किए गए आंदोलन व जन संघर्ष में स्व इंद्रमणि बडोनी की भूमिका की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में दिनेश जोशी, चंदन नेगी, विजय कुमार, चंद्रमोहन ध्यानी, मुन्नी जोशी, सुनीता मुरारी, मीना चंदोला, चारुल, दीपिका, बचे सिंह रावत, चंद्रमोहन नेगी, नरेश कुमार आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन चंद्रमोहन ध्यानी ने किया।

सतपुली में भू कानून, मूल निवास को लेकर प्रदर्शन

पौड़ी। भू कानून, मूल निवास 1950 और सभी तहसीलों में मूल निवास प्रमाण पत्र बनाए जाने को लेकर सतपुली चौराहे पर क्षेत्रीय लोगों द्वारा प्रदर्शन किया गया। साथ ही मुख्यमंत्री के नाम पत्र भी भेजा। जिसमें स्थानीय लोगों द्वारा अपना समर्थन देते हुए हस्ताक्षर किया गया। रविवार को उत्तराखंड में भू कानून, मूल निवास 1950 को लेकर वर्षों से उत्तराखंड वासियों द्वारा की जा रही मांग को लेकर प्रदर्शन करते हुए लोगों ने नाराजगी जताई। प्रदर्शन का नेतृत्व डब्बल मियां द्वारा किया गया द्य उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के मूल निवासियों को अपने ही प्रदेश में दोयम दर्जे का बना दिया गया है और उन्हें अपने ही प्रदेश में अपने हक नहीं मिल पा रहे हैं। बाहरी व्यक्तियों द्वारा उनके हकों पर डाका डाला जा रहा है द्य यदि इसी प्रकार चलता रहा तो वो दिन दूर नहीं जब हम सभी मूल निवास अपने ही प्रदेश में अपने हकों के लिए मारे-मारे फिर रहे होंगे और बाहरी लोगों द्वारा प्रदेश में कब्जा कर हमे बेदखल कर दिया जाएगा, जो कि बहुत बड़ा संकट पैदा कर सकता है। कहा कि आने वाले समय में मूल निवासी अपने हकों और घरों को बचाने को लेकर कहीं उग्र रूप धारण न कर लें द्य प्रदर्शन करने वालों में सुमन ढौंडियाल, राजेन्द्र बौंठियाल, विनोद खंतवाल, अम्मू रावत, दीपक डुकलान, चंद्रमोहन सहित अनेक लोग मौजूद रहे ।

जोशीमठ में अक्षत कलश का स्वागत किया

चमोली। अयोध्या में श्री राम जन्म भूमि मंदिर पूजित अक्षत कलश के जोशीमठ पहुंचने पर राम भक्तों ने पुष्पवर्षा कर अक्षत कलश का स्वागत किया। जिसके बाद पूरे नगर में भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। अक्षत कलश यात्रा के दौरान दौरान पूरा जोशीमठ जय श्री राम के जयघोषों से गुंजयमान हुआ लोगों ने जगह जगह कलश के दर्शन कर मनौतियां मांगी। आगामी 22 जनवरी को अध्योध्या में नव निर्मित श्री राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है। इससे पहले अयोध्या में पूजित अक्षत कलश जोशीमठ पहुंचा। जोशीमठ के रोपवे तिराहे में राम भक्तों ने अक्षत कलश का स्वागत किया, जिसके बाद अक्षत कलश को मुख्य बाजार में शोभा यात्रा के रूप में घुमाया गया, स्थानीय लोगों ने पुष्पवर्षा कर कलश का स्वागत किया। कलश यात्रा के साथ ही राम झांकी भी निकाली गई जिसमें नन्हें मुन्हें बच्चों ने श्री राम, माता जानकी व लक्ष्मण का रूप बनाकर अक्षत शोभा यात्रा में आये भक्तां का स्वागत किया। नगर भ्रमण के बाद कलश यात्रा जोशीमठ के अराध्य नृसिंह मंदिर पहुंची जहां पर विशेष अक्षत पूजा कार्यक्रम आयोजित किया गया।

नैनीताल, मसूरी और ऋषिकेश पर्यटकों से पैक, होटल फुल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल 25 दिसंबर : क्रिसमस और नए साल से पहले उत्तराखंड के पर्यटन स्थल सैलानियों से गुलजार हो गए हैं। गाजियाबाद, मेरठ, हरियाणा, पंजाब, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश आदि राज्यों से सैलानी क्रिसमस मनाने उत्तराखंड पहुंच रहे हैं। दिन प्रतिदिन बढ़ती पर्यटकों की संख्या से कारोबारियों के चेहरे भी खिलने लगे हैं। क्रिसमस की छुट्टी ने सैलानियों के वीकेंड को खास बना दिया है। इस कारण बीते दिन प्रदेश की सड़कों पर जाम देखने को मिला।

मसूरी से लेकर चकराता, नैनीताल और ऋषिकेश पर्यटकों से पैक हैं। वहीं, होटल और रिजॉर्ट भी फुल हो गए हैं। उधर, बड़ी संख्या में पर्यटकों के पहुंचने से जाम की स्थिति भी बनी हुई है। सुबह से शाम तक वाहन सड़कों पर रेंग रेंग कर चलते नजर आए। मसूरी में क्रिसमस की तैयारी पूरी हो गई है। शहर के अधिकांश होटल क्रिसमस के लिए एडवांस बुक हो गए हैं। वहीं वीकेंड पर 80 और क्रिसमस के लिए शहर के 50 फीसदी होटल पैक हो गए हैं। शहर में बड़ी संख्या में पर्यटकों के पहुंचने से चौक चौराहों पर ट्रैफिक जाम लगा है। पर्यटक और स्थानीय लोग जाम से परेशान दिखे। वहीं, पुलिस को भी स्थिति संभालने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

नैनीताल के पर्यटन स्थलों में भी पर्यटकों का जमावड़ा लगा हुआ है। पर्यटक वाहनों का दबाव बढ़ने से नगर में दिनभर कई बार यातायात प्रभावित रहा। शहर में लगातार वाहनों के प्रवेश से तल्लीताल, मल्लीताल व मालरोड पर वाहनों की लंबी कतार नजर आई और वाहन रेंग रेंग कर चले। इसके चलते पर्यटकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सुबह 10 बजे से बिना होटल बुकिंग वाले पर्यटकों को अस्थाई पार्किंग स्थलों में रोका जा रहा है।

होटल एवं ढाबा संचालकों की समस्याओं को सुना

रुडक़ी। पुलिस ने क्षेत्र में संचालित होटल एवं ढाबा संचालकों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं को सुना। इसके साथ ही उन्हें प्रत्येक कर्मचारी का सत्यापन करने के दिशा निर्देश भी दिए। रविवार को कोतवाली परिसर में पुलिस क्षेत्राधिकारी मंगलौर बहादुर सिंह चौहान द्वारा होटल एवं ढाबा संचालकों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पहुंचे ढाबा संचालकों ने अपनी समस्याओं से पुलिस अधिकारियों को अवगत कराया। सीओ बहादुर सिंह चौहान ने कहा कि सर्दी के मौसम में पड़ोसी राज्यों से असामाजिक तत्व राज्य में प्रवेश कर आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने का कार्य करते हैं। इसलिए यदि कोई बाहरी व्यक्ति ढाबे अथवा होटल में विश्राम करता है तो उसकी आईडी जरूर ले। इसके साथ ही संदिग्ध व्यक्ति दिखाई देने पर तत्काल पुलिस को सूचना दे। सभी को दिशा निर्देश जारी करते हुए कहा कि अपने-अपने प्रतिष्ठानों पर उच्च क्वालिटी के सीसीटीवी कैमरे लगाने की व्यवस्था करें ताकि अपराधिक गतिविधियों को रोकने में सहयोग मिल सके। साथ ही कर्मचारियों का सत्यापन कराने को भी कहा गया।

शिक्षकों की समस्याएं हल करने की मांग उठाई

पौड़ी। राजकीय शिक्षक संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य शिक्षाधिकारी से मिलकर शिक्षिकों की विभिन्न समस्याएं जल्द हल करने की मांग उठाई है। राजकीय शिक्षक संघ ने मुख्य शिक्षाधिकारी दिनेश चंद्र गौड़ से मुलाकात की। इस दौरान संघ के जिलाध्यक्ष बलराज सिंह गुसाईं, जिला महामंत्री बिजेंद्र बिष्ट ने सीईओ से स्कूलों में ग्रीष्म अवकाश में कार्य के बदले उपार्जित अवकाश देने, चयन और प्रोन्नत वेतनमान स्वीकृति करने के लिए जल्द समिति का गठन करने, प्राथमिक स्कूलों में माध्यमिक के शिक्षकों को व्यवस्था पर न लगाने, खंड शिक्षाधिकारी कार्यालय और राशिसं ब्लॉक कार्यकारिणी से सहयोग बनाते हुए प्रकरणों का निस्तारण करने की मांग की। इस मौके पर संरक्षक जयदीप रावत, उपाध्यक्ष मनोज काला, संगठन मंत्री राजेश भट्ट, कंचन लिंगवाल, विजेंद्र तोमर, संजय रावत, अब्बल रावत, संजय रावत आदि शामिल थे।

पुलिसकर्मियों के लिए अलाव की व्यवस्था की

पौड़ी। बढ़ती ठंड के मद्देनजर थाना सतपुली में रात्रिकालीन पिकेट व गश्त ड्यूटी में नियुक्त पुलिस बल को गर्म चाय-बिस्किट उपलब्ध कराए गए। साथ ही पिकेट व गश्त ड्यूटी में नियुक्त पुलिस बल के लिए अलाव की व्यवस्था भी की गई है। थाना प्रभारी दीपक तिवारी ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे के निर्देश पर ड्यूटी में तैनात पुलिस कर्मियों को अलाव की व्यवस्था कराने के निर्देशों के तहत यह व्यवस्था थाना क्षेत्र उपलब्ध कराई जा रही है।

इंद्रमणि बडोनी उत्तराखंड के गांधी

रुडक़ी। भाजपा शिक्षा प्रकोष्ठ ने इंद्रमणि बडोनी के जन्मदिन को संस्कृति दिवस के रूप में मनाया गया। गंगोत्रीकुंज पनियाला रोड स्थित कैम्प कार्यलय पर आयोजित कार्यक्रम में भाजपा शिक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक डॉ. प्रदीप त्यागी ने कहा कि इंद्रमणि बडोनी को उत्तराखंड के गांधी के रूप में जाना जाता है। उन्होंने उत्तराखंड राज्य के निर्माण के लिए सतत प्रयास किए। हमें उनके बताए रास्ते पर चल कर राज्य को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाना है।

चौपाल लगाकर नशे के प्रति किया जागरुक

रुडक़ी। थाना क्षेत्र के हल्लुमजरा गांव में पुलिस ने चौपाल लगाकर ग्रामीणों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में जानकारी दी, साथ ही नशे से दूर रहने की अपील भी की। शनिवार देर शाम हल्लुमजरा गांव में उपनिरीक्षक अनिल बिष्ट ने चौपाल लगाकर ग्रामीणों को नशे के दुष्परिणामों के सम्बन्ध में जानकारी दी तथा ग्रामवासियों को निर्देशित किया कि यदि कोई व्यक्ति नशे का काम करता या कारोबारी की मदद करता हुआ पाया गया तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गांव में नशा करने वाले व्यक्तियों की काउंसलिंग कर उन्हे नशा मुक्त करने व नशा बेचने वाले व्यक्तियों की सूचना तत्काल पुलिस को देने के सम्बन्ध में भी ग्रामीणों के साथ विस्तृत वार्ता की गई।

मंत्री जोशी ने एसोसिएशन के पदाधिकारियों को हर संभव मदद का दिलाया भरोसा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 24 दिसम्बर। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने बार भवन कचहरी देहरादून में आयोजित बार एसोसिएशन के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने बार एसोसिएशन के सभी पदाधिकारियों को वार्षिक उत्सव बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने एसोसिएशन के पदाधिकारियों को सरकार की तरफ से चेंबर निर्माण के लिए हर संभव मदद का भरोसा भी दिलाया।

■ एसोसिएशन के पदाधिकारियों को मंत्री गणेश जोशी ने दी बधाई

इस अवसर पर बार एसोसिएशन अध्यक्ष अनिल शर्मा, सचिव राजबीर सिंह बिष्ट, विधायक खजान दास, विधायक विनोद चमोली, एसएसपी अजय सिंह सहित बार एसोसिएशन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

पथरी जंगल से काटे गये खैर के पेड़ों की लकडियां कलियर से बरमाद

हरिद्वार। पथरी के जंगल से तस्करों काटे गये खैर के कीमती पेड़ों की लकडियां वनकर्मियों ने कलियर एक आरा मशीन से बरमाद की है। अभी तस्कर वन कर्मियों के हाथ नहीं लगे हैं। टीम तस्करों की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। बीते बुधवार की रात पथरी की दिनारपुर के नजदीक जंगल से अज्ञात तस्करों ने खैर के कीमती पेड़ों को काटकर ठिकाने लगा दिया था। वन कर्मियों को गश्त के दौरान पेड़ काटे होने की जानकारी मिली तो वन महकमे में हडक़ंप मच गया। उच्चाधिकारियों ने टीम गठित कर लकड़ी तस्करों की तलाश शुरू की। वन प्रभाग के उपवन क्षेत्र अधिकारी राजकुमार ने बताया मुखबिर की सूचना पर शनिवार रात कलियर स्थित एक आरा मशीन से खैर की लकडियां बरमाद कर ली है।

व्यापारियों एवं जनता को मिले हर मूलभूत सुविधा यही हमारा उद्देश्यः सुनील सेठी

हरिद्वार। महानगर व्यापार मंडल कार्यकारणी का विस्तार किया गया। जिलाध्यक्ष सुनील सेठी ने संरक्षक पूर्ण सिंह भंडारी, जिला उपाध्यक्ष राकेश सिंह, पवन पांडे, महागर उपाध्यक्ष अशोक चावला, भगत सिंह, दिनेश शर्मा,सचिव पद पर गणेश धामी को जिम्मेदारी दी। जिलाध्यक्ष ने व्यापार नीति आयोग के गठन की मांग फिर दोहराई। उन्होंने कहा कि व्यापारी सरकार की आर्थिक रीढ़ है। सरकार की योजनाओं को जनता तक पंहुचाने के लिए व्यापारी आर्थिक रूप से एक साधन है। केंद्र हो या राज्य की सरकार उन्हें छोटे से लेकर मध्यम वर्गीय व्यापारियों के लिए कुछ योजनाएं ऐसी लानी चाहिए जिससे उनके परिवार की विषम परिस्थितियों में मदद हो सके। व्यापार नीति आयोग का गठन कर उनका बीमा आदि करना चाहिए।

लोक संस्कृति दिवस के रूप में मना बडोनी का जन्मदिवस

हरिद्वार। उत्तराखंड के गांधी कहे जाने वाले इंद्रमणि बडोनी की जयंती पर उन्हें याद किया गया। कृपाल कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शिवालिक नगर में यह दिन लोक संस्कृति दिवस के रूप में मना। इंद्रमणि बडोनी के चित्र पर भाजपा नेता रीता चमोली और विद्यालय के प्रधानाचार्य रंजना शर्मा ने पुष्प अर्पित किए। छात्र-छात्राओं ने गढ़वाली, कुमाउनी भाषा में लोक नृत्य प्रस्तुत किया। इंदू चौहान ने इंद्रमणि बडोनी के जीवन परिचय पर प्रकाश डाला। इस दौरान अंजलि, रश्मि, मुस्कान, निशा, मीनाक्षी, मानसी बिष्ट, चांदनी, रिया, प्रतीक, रूबी, अंजलि, चित्रा, अहाना, आस्वी, खुशी सहित विद्यालय प्रबंधक दिनेश शर्मा, शिक्षिका शिखा, मधु ठाकुर, मोनिका मौर्य, पूजा दुबे, रेणु, निशा मिश्रा, रितु, कोमल, मुस्कान शर्मा, विनीता आदि मौजूद रहे।

मित्र मिलन समारोह में 65 वर्ष की पुरानी यादें साझा की

रुडक़ी। तकनीकी संस्था केएल पॉलिटेक्निक में मित्र मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें 65 वर्षों के पुराने छात्र-छात्राएं तथा संस्था के सभी सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य एवं अध्यापकों ने प्रतिभाग किया। एक मंच पर आए इन सभी ने 65 वर्ष के अपने सफर की पुरानी यादें ताजा की। इस दौरान छात्रों द्वारा शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। शनिवार को आयोजित मित्र मिलन समारोह का शुभारंभ प्रबंधन समिति के अध्यक्ष विंग कमांडर मोहित गर्ग तथा सभी सेवानिवृत प्रधानाचार्यों एवं अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से किया। संस्था के पुराने मैकेनिक छात्र प्रेम राज कश्यप (1985), विद्युत विभाग से छात्र लेखराज शर्मा (1981), अजय राणा (1986), इलेक्ट्रॉनिक छात्र नंद किशोर शर्मा (1986) के द्वारा अपने सभी गुरुजनों को सम्मानित किया गया। इसी कड़ी में इलैक्ट्रॉनिक्स से अतुल गुप्ता (1992), विद्युत से संजीव राठी (2001), संजय सैनी (1989) एवं इलैक्ट्रोनिकी से मदन धीमान (1997) द्वारा 1958 से 1985 के सभी वरिष्ठ साथियों का सम्मान किया गया। इस समारोह में 125 छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत

रुडक़ी। संदिग्ध परिस्थितियों में एक विवाहिता की मौत हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि इस संबंध में अभी तक कोई तहरीर नहीं आई है। रविवार को कोतवाली क्षेत्र के गांव मुंडलाना निवासी 42 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। आस पास के ग्रामीणों द्वारा घटना के संबंध में विवाहिता के मायके वालों को सूचित किया गया। सूचना पर मुजफ्फरनगर निवासी उसके मायके वाले विवाहिता की ससुराल पहुंचे। जहां पर विवाहिता को मृत पाया। विवाहिता के मायके वालों ने घटना के संबंध में पुलिस को सूचना दी तथा उन्होंने अपनी बेटी की हत्या किए जाने का आरोप ससुराल पक्ष के लोगों पर लगाया है। सूचना पर इंस्पेक्टर प्रदीप बिष्ट महिला उप निरीक्षक व अन्य पुलिस कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचे।